भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-389

उत्तर दिनांक - 24/07/2024 को दिया गया

निवल-शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य

389. श्री एस. जगतरक्षकन
श्री हरीभाई पटेल

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

(क) क्या सरकार ने परमाणु रिएक्टरों के संबंध में निवल-शून्य उत्सर्जन लक्ष्य और सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में परमाणु ऊर्जा का लाभ उठाने के लिए रणनीतियां तलाशने की प्रक्रिया में कोई प्रगति की है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) परमाणु ऊर्जा की क्षमता को इष्टतम करने के लिए सरकार द्वारा की गई/की जा रही पहलों का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या गुजरात राज्य में दो स्वदेशी परमाणु रिएक्टर, केएपीपी-3 और केएपीपी-4 स्वच्छ और सतत ऊर्जा उपलब्ध कराएंगे; और

(ङ) यदि हां, तो बिजली उत्पादन को बढ़ाने में इन दो परमाणु रिएक्टरों की भूमिका सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) व (ख) भारतीय नाभिकीय ऊर्जा रिएक्टर वर्ष 2070 तक निवल शून्य उत्सर्जनों के देश के लक्ष्यों में योगदान करते हुए स्वच्छ बिजली का उत्पादन करते आ रहे हैं। देश के नाभिकीय विद्युत संयंत्रों ने अब तक लगभग 880 बिलियन यूनिट स्वच्छ बिजली का उत्पादन किया है जिससे लगभग 757 मिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2) का उत्सर्जन कम हुआ है। वर्तमान में संस्थापित क्षमता 8180 मेगावाट को वर्ष 2031-32 तक 22480 मेगावाट तक बढ़ाने के लिए वर्तमान में नाभिकीय विद्युत क्षमता विस्तार कार्यक्रम प्रगतिशील है।

(ग) भारत के नाभिकीय विद्युत संसाधनों को अधिकतम क्षमता तक उपयोग करने के लिए, एक स्वदेशी अनुक्रमिक त्रि-चरणीय नाभिकीय विद्युत कार्यक्रम की योजना की परिकल्पना की गई है। इसके साथ-साथ विदेशी सहयोग से साधारण जल रिएक्टरों को स्वदेशी कार्यक्रम के अतिरिक्त के रूप में क्रियान्वित किया जा रहा है।

(घ) व (ङ) जी, हां। केएपीएस - 3 व 4 (2 x 700 मेगावाट) पहले ही 8363 मिलियन यूनिट स्वच्छ बिजली (जून-2024 तक) का उत्पादन कर चुके हैं, जिससे लगभग 7 मिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2) का उत्सर्जन कम हुआ है। इन रिएक्टरों से वार्षिक रूप से लगभग 10.4 बिलियन यूनिट स्वच्छ बिजली (85% संयंत्र भार गुणक) का उत्पादन होने और प्रत्येक वर्ष लगभग 9 मिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2) का उत्सर्जन कम होने की आशा है।

*****